*नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त*

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

*(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)*

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

# राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की ग्रामगीता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र को की भेंट

वर्धा दि. 01 जुलाई 2015: गुरूदेव सेवा मंडल वर्धा जिला के प्रचारक बालकृष्ण देवाजी हांडे की ओर से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र एवं प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज द्वारा रचित 'ग्रामगीता' एवं अन्य ग्रंथ संपदा भेंट स्वरूप प्रदान की गयी।

कुलपति कक्ष में हुई अनौपचारिक बैठक में बालकृष्ण हांडे द्वारा राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की ग्रामगीता के अलावा गांधी गीतांजली, लहर की बरखा, ज्ञानदीप आदि ग्रंथ सामग्री कुलपति एवं प्रतिकुलपति को प्रदान की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने बालकृष्ण हांडे जी के प्रति आभार जताते हुए राष्ट्रसंत के कार्य और उनके विचार विद्यार्थियों में प्रचारित एवं प्रसारित करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तुकडोजी महाराज के विचार आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। बैठक में जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे एवं परीक्षा प्रभारी के. के. त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

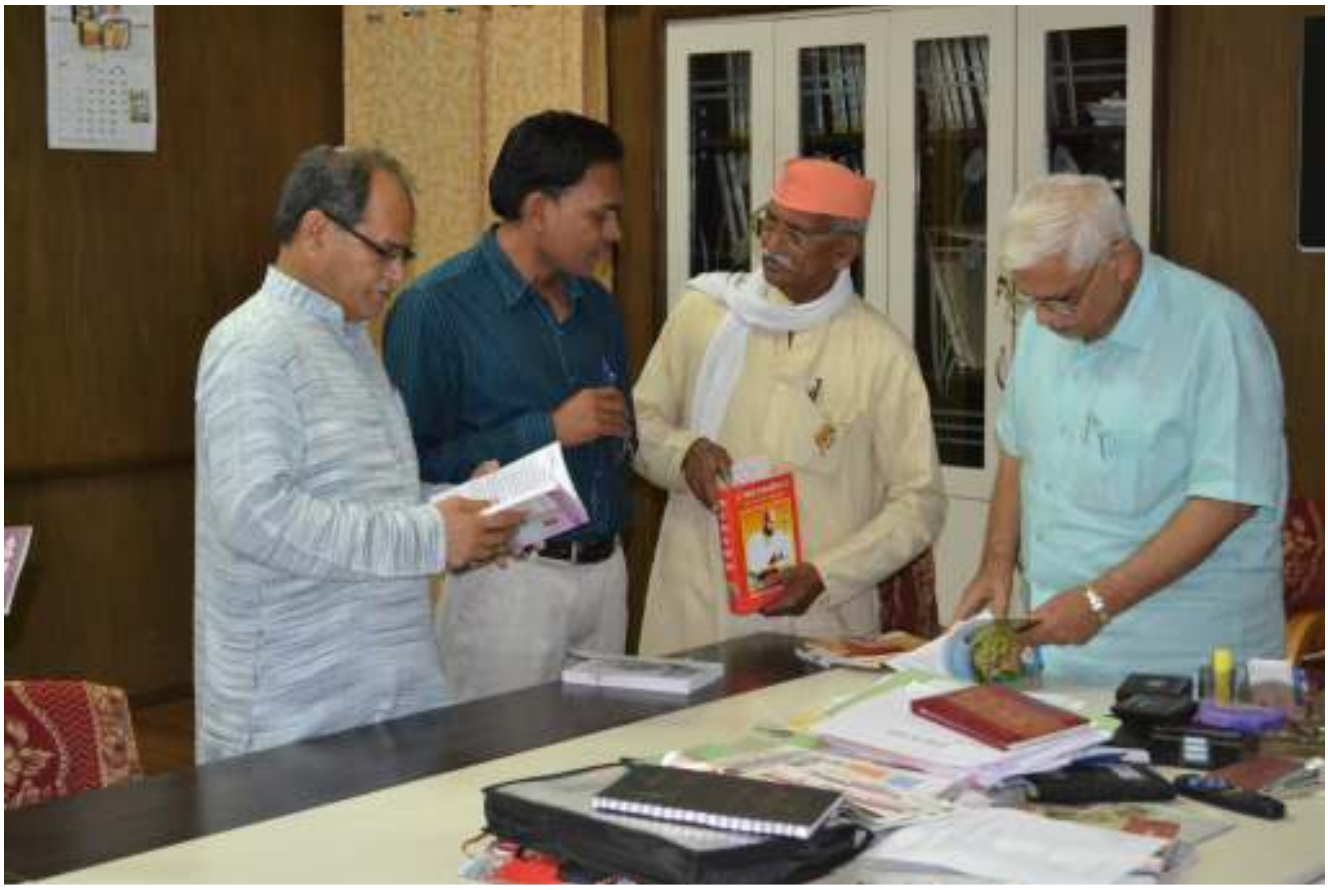

## राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराजांची 'ग्रामगीता' कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांना भेट
### बाळकृष्ण हांडे यांनी दिली ग्रामगीता

वर्धा दि. 01 जुलै 2015: गुरूदेव सेवा मंडळ, वर्धा जिल्हयाचे प्रचारक बाळकृष्ण देवाजी हांडे यांच्या वतीने महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रतिकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांना राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज द्वारा रचित 'ग्रामगीता' आणि इतर ग्रंथ संपदा भेट देण्यात आली. कुलगुरुंच्या कक्षामध्ये झालेल्या छोटेखानी कार्यक्रमात हांडे यांनी ग्रामगीता ऐवजी गांधी गीतांजली, लहर की बरखा, ज्ञानदीप इत्यादी ग्रंथ सामग्री कुलगुरु आणि प्रकुलगुरु यांना दिली. यावेळी प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी हांडे यांच्याप्रती आभार व्यक्त करून विश्वविद्यालयात राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांचे जीवन आणि कार्यावर एक कार्यक्रम आयोजित करण्याचा आग्रह केला. ते म्हणाले की तुकडोजी महाराजांचे विचार आजही प्रासंगिक आणि प्रेरणादायी आहेत. यावेळी जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे व परीक्षा प्रभारी के. के. त्रिपाठी हेही उपस्थित होते.